NBJK

नव भारत जागृति केन्द्र

NAV BHARAT JAGRITI KENDRA

Putting the Last First.....

सूचनापत्र

Newsletter

जनवरी – मार्च 2018

www.nbjk.org

January - March, 2018

गांवों के समावेशी विकास में सहायक एसबीआइ ग्राम सेवा परियोजना

अक्टूबर 2017 से नभाजाकेन्द्र द्वारा झारखण्ड और बिहार के 5–5 गांवों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सामाजिक निगमित दायित्व अंतर्गत एसबीआइ फाउंडेशन, मुंबई के सहयोग से एसबीआइ ग्राम सेवा परियोजना का शुभारम्भ किया गया है. इसके तहत झारखण्ड के देवघर जिला में देवघर सदर प्रखंड के अंधरीगादर पंचायत स्थित रमलडीह (68 परिवार), सहरी (22 प.), गादी (50 प.), नावाडीह (111 प.), बरसतिया (35 प.) गांवों में और बिहार के जमुई जिला में चकाई प्रखंड के रामचन्द्रडीह पंचायत स्थित छछूडीह (148 प.), गरही (188 प.), हेठचकाई (295 प.), पाटजोरी (210 प.), ममताडीह (118 प.) गांवों में समावेशी विकास के प्रयास प्रारम्भ हैं. इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण बच्चों–युवाओं, महिलाओं–पुरुषों हेतु शिक्षा, कौशल विकास, सहायक आजीविका, लाभप्रद खेती जैसे मुद्दों पर काम किया जा रहा है.

अन्धरीगादर पंचायत के गांवों में अब तक 15 महिला स्वमदद समूहों का गठन हुआ है, जिन्हें झा.रा.आ.प्रो.स. से जोड़ा गया है. महिलाएं जागरूक हुई हैं, इन्होंने बैंक जाकर खाता खोला है और समूह बैठकों का विवरण अब रजिस्टर में दर्ज होता है. हर गांव में रीमिडिअल कोचिंग केन्द्र खोले गए हैं, जो स्कूली बच्चों हेतु विज्ञान, गणित, अंग्रेजी विषयों में अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करते हैं. इन कोचिंग केन्द्रों की वजह से बच्चों, विशेषकर बालिकाओं की पढ़ाई में नियमितता आयी है. केन्द्र संचालन का दायित्व स्थानीय शिक्षित नवयुवक को दिया गया है. स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चला है और खुले में शौच से मुक्ति, शौचालय निर्माण, सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता, मच्छर उत्पत्ति स्थलों के उचित प्रबंधन जैसे बिन्दुओं पर लोगों को जागरूक किया गया है. परियोजना टीम ने सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, पंचायती राज प्रतिनिधियों तथा विभिन्न सरकारी/गैरसरकारी संस्थानों से संपर्क कर सहयोग लेने का प्रयास किया है. वृद्धा पेंशन, उज्ज्वला गैस, स्वच्छ भारत मिशन, दिव्यांगता पेंशन, राशन कार्ड के 31 संभावित लाभुकों की पहचान कर उन्हें जोड़ने की प्रक्रिया जारी है. युवा समूहों का गठन कर उन्हें ने.यु.के. से जोड़ा गया है और युवाओं ने अपना बैंक खाता खोला है. महिला–युवा समूहों को एसबीआइ–ग्रा.स्व.प्र.सं. की सहायता से कौशल विकास प्रशिक्षण और आजीविका से जोड़ा जाएगा. सामुदायिक सूचना केन्द्र स्थापित हो चुके हैं, जो शीघ्र ही पूरी तरह डिजिटल और लोगों की पहुँच में होंगे.

रामचन्द्रडीह पंचायत के गांवों में 20 निष्प्रभावी महिला स्वमदद समूहों का पुनर्गठन हुआ है, 4 नये समूह बने हैं और इन्हें बि.रा.आ.प्रो.स. से जोड़ा गया है. सभी गांवों में युवा, बाल, वृद्ध समूह बनाए गए हैं. विद्यालयों में बाल संसद और गांव में ग्राम सलाहकार समिति है. विद्यालयों में छीजन दर नियंत्रण हेतु गांव स्तर पर रीमिडिअल कोचिंग केन्द्रों की स्थापना हुई है, जहाँ विद्यालय समय के बाद बच्चों को अलग से पढ़ाया जाता है. स्कूली बच्चों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता/साबुन से हाथ धोने/स्वास्थ्य शिविर जैसे आयोजन हुए हैं और जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि ये गाँव अक्टूबर 2019 तक "खुले में शौच से मुक्त" हो जाएँ. सामूहिक स्वच्छता अभियान चलाया गया है. पं. स. सदस्यों के साथ बैठक कर उन्हें कार्यक्रम से अवगत कराते हुए सहयोग देने का आग्रह किया गया, जिसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा है. परियोजना टीम द्वारा अधिकारियों के साथ मिलकर सरकारी योजनाओं के समुचित क्रियान्वयन सम्बन्धी प्रयास हुए हैं और पं. रा. प्रतिनिधियों के साथ ग्रामीणों की 4 इन्टरफेस बैठकों में म.स्व. समूहों और किसानों ने शौचालय निर्माण और मिट्टी जांच की मांग किया है. 23 वृद्धजनों और 5 विधवाओं की पहचान कर उन्हें पेंशन से जोड़ने का प्रयास हुआ है. प्रत्येक गांव में सामुदायिक सूचना केन्द्र खोलने की प्रक्रिया शुरू है. गृह आधारित सर्वेक्षण से गांवों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति जानने में काफी मदद मिली है और प्रत्येक गांव से 20 व्यक्तियों का चयन हुआ है, जिन्हें जल्द ही एसबीआइ – ग्रा. स्व. प्र. संस्थान द्वारा विभिन्न ट्रेड्स में आजीविका प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा. परियोजना टीम द्वारा जमुई के सांसद श्री चिराग पासवान से मिलकर आग्रह किया गया है कि अपने सांसद निधि से इन गांवों के विकास में मदद करें. आशा है कि झारखण्ड और बिहार के इन 10 पिछड़े गांवों में बेहतरी के लिए सबों का सहयोग मिलेगा.

SBI Gram Sewa Project for Holistic Development in Villages

SBI Gram Sewa project has been launched in 10 villages of Jharkhand and Bihar as 05 villages in each state from October 2017. The program is supported by SBI Foundation, Mumbai under CSR initiative of State Bank of India and activities for holistic rural development are being carried out in the villages namely Ramaldih (68 HHs), Sahari (22 HHs), Gadi (50 HHs), Nawadih (111 HHs), Barsatiya (35 HHs) in Andhrigadar panchayat of Deoghar Sadar block of Deoghar district (Jharkhand) and Chhachudih (148 HHs), Garahi (188 HHs), Hethchakai (295 HHs), Patjori (210 HHs), Mamtadih (118 HHs) in Ramchandradih panchayat of Chakai block in Jamui district (Bihar). The program aims for integrated development through education, skill development, livelihood support, profitable agriculture for children, youths, women and farmers.

In the villages of Andhrigadar panchayat, 15 women SHGs have been formed and linked with JSLPS. This added to awareness, women went bank to open their accounts and maintain minutes book for group meeting. Remedial Coaching Centers have been started in all 5 villages and provide extra classes of Maths, Science, English & GK for school students. These RCCs are helpful for children, specially girl children. One local youth has been appointed as the teacher for each RCC. Health awareness campaign was initiated and people were sensitized over issues like ODF village, toilet construction, cleanliness at public places, proper management of mosquito breeding points etc. The project team contacted govt. officials, health workers, teachers, PRI members and GOs/NGOs to get support in concerned activities. 31 poential beneficiaries have been identified for govt. schemes like old aged/disability pension, PM Ujjwala, SBM, PDS and their linkage is under process. Youths are organized in groups, associated with NYK and opened their bank accounts. All women & youth groups will get skill development training and livelihood support by SBI-RSETI. Community Information Center is a component of this program and CIC has been established in all 5 villages. Soon these will be digital completely and will work within people's access.

In the villages of Ramchandradih panchayat, 20 defunct women SHGs revived, 4 new SHGs formed and all linked with BSLPS. Youth, children and senior citizens are organized in groups. There are Baal sansads in schools and village advisory committees in villages to support the program. RCCs have been started in all villages, where school children get extra classes to improve their academic performance. These are supposed to check high dropout rate of children. The activities like organizing health awareness campaign/hand washing/health camp were organized among school children and the Dist. Admin. aims to make these villages ODF by Oct' 19. There were collective cleanliness drives. During meeting with PRI members, they have been requested to support the program. The project team met govt. officials and called for smooth delivery of welfare schemes. There were 4 interface meetings between villagers & PRI members and people demanded for toilet construction for women as well as soil testing facility for farmers. 23 old aged persons and 5 widows have been identified for pension scheme and their linkage is in progress. Initiating CICs in each target village is under process. Home based survey has helped to know socio-economic status of villagers and 20 people from each village have been identified for vocational training by SBI-RSETI. The project team requested Mr. Chirag Paswan (MP from Jamui) to support SBI Gram Sewa with his MP fund. All stakeholders are supposed to support the program for betterment of these 10 villages of Jharkhand and Bihar hopefully.